Established 1935

All India Motor Transport Congress

(An Apex Organization of truckers, Transporters & Passenger Vehicle Operators)
Official Journal " Motor Transport"

क्रमांक: By/MP/282/2024-25
दिनांक: 20 फरवरी, 2024

श्री नरेंद्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली

विषय: क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (RTOs) में व्याप्त भ्रष्टाचार पर तत्काल कार्रवाई एवं विभिन्न राज्यों में बॉर्डर चेकपोस्ट समाप्त कर निर्बाध और भ्रष्टाचार मुक्त परिवहन सुनिश्चित करने हेतु आपसे विनम्र अनुरोध |

आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी,

आपके प्रति पूर्ण सम्मान एवं आशा के साथ, हम आपको भारत भर के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (RTOs) में व्याप्त भ्रष्टाचार और परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों को होने वाली प्रताड़ना की ओर ध्यान आकर्षित कराना चाहते हैं। यह गंभीर समस्या आपकी पारदर्शी, भ्रष्टाचार मुक्त एवं निर्बाध प्रशासनिक प्रणाली की दृष्टि को कमजोर कर रही है।

दिसंबर 2015 में, केंद्रीय मंत्री माननीय श्री नितिन गडकरी जी ने सार्वजनिक रूप से RTOs में फैले भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए उनकी तुलना चंबल के कुख्यात डकैतों से की थी। किंतु, नौ वर्ष बीत जाने के बावजूद, यह समस्या और अधिक विकराल रूप ले चुकी है। RTO अधिकारियों के भ्रष्ट आचरण के कारण छोटे परिवहन ऑपरेटरों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ पड़ रहा है, जिससे परिवहन लागत बढ़ रही है और यह व्यवसाय अलाभकारी होता जा रहा है।

भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले सड़क परिवहन क्षेत्र को इस भ्रष्टाचार से अत्यधिक पीड़ा झेलनी पड़ रही है। प्रत्येक RTO को वार्षिक घूस वसूली का लक्ष्य सौंपा जाता है, जिसके कारण ट्रक ऑपरेटरों को प्रति वाहन एवं प्रति मार्ग रिश्वत देने के लिए मजबूर किया जाता है। यदि वे रिश्वत नहीं देते, तो उन पर भारी-भरकम जुर्माने लगाए जाते हैं।

ज्यादातर प्रदेशों में ट्रक एवं यात्री वाहन ऑपरेटरों से बेबुनियाद कारणों से अवैध वसूली की जा रही है, जिससे छोटे ऑपरेटर आर्थिक संकट में फंस रहे हैं।

उच्च स्तरीय भ्रष्टाचार:

- हाल ही में मध्य प्रदेश में एक पूर्व RTO कांस्टेबल से ₹10 करोड़ नकद और 54 किलो सोना बरामद हुआ, जो इस गहरे भ्रष्टाचार को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि परिवहन क्षेत्र में भ्रष्टाचार किस हद तक फैला हुआ है। यदि समय रहते उचित कार्रवाई की जाती, तो वाहन मालिकों और चालकों से इस तरह की भारी लूट नहीं होती। परिवहन चेकपोस्टों पर सौरभ शर्मा, और अन्य परिवहन अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा निजी गुंडों और इंजीनियरों के माध्यम से योजनाबद्ध तरीके से अवैध वसूली की गई है।
- मध्य प्रदेश में 1 जुलाई 2024 को माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी द्वारा बॉर्डर चेकपोस्ट हटाए जाने के बावजूद, भ्रष्टाचार जारी है। मध्य प्रदेश परिवहन चेकपोस्टों पर पिछले 5-6 वर्षों से हो रही अवैध वसूली (एंट्री) की व्यापक जांच की जाए। मासिक रूप से वाहनों की सूची, मासिक टोकन, और प्रत्येक चक्कर पर की गई वसूली को देखा जाए, क्योंकि हमारे संगठन के अनुसार, यह राशि लगभग 300 करोड़ मासिक तक दर्ज की गई है। जब इस जांच में जब्त की गई अपार संपत्ति—सोना, चांदी और अन्य बहुमूल्य वस्तुएं—राजसात कर ली जाएंगी, तब जाकर वाहन मालिकों और चालकों को न्याय मिलेगा।

1/16A, Asaf Ali Road, New Delhi - 110002, Tel.: - 011-23232617, Telefax : 011-23230864
Email: aimtc1936@gmail.com, Email: aimtc@rediffmail.com, website: www.aimtc.org
CIN: U34100DL 1951NPL002000

Established 1935

All India Motor Transport Congress

(An Apex Organization of truckers, Transporters & Passenger Vehicle Operators)
Official Journal " Motor Transport"

इस प्रकार की घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं, किंतु जब तक वे मीडिया की निगरानी में न आएं, अधिकतर मामलों को दबा दिया जाता है। यह केवल सतह पर दिखने वाली घटनाएं हैं, जबकि असली मास्टरमाइंड अब भी पर्दे के पीछे सक्रिय हैं।

समाधान के लिए प्रस्तावित सुझाव:

1. **CBI या न्यायिक जांच:** पिछले 20 वर्षों के परिवहन विभाग एवं RTOs में हुए भ्रष्टाचार की संपूर्ण जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) या किसी सेवानिवृत्त सर्वोच्च/उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाए।
2. **संपत्ति की जांच:** RTO अधिकारियों, उनके अधीनस्थों और एजेंटों की संपत्तियों की गहन जांच की जाए और यदि उनकी संपत्ति ज्ञात आय से अधिक पाई जाती है, तो उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।
3. **बॉर्डर चेकपोस्ट समाप्त:** गुजरात मॉडल को अपनाते हुए पूरे देश में RTO चेकपोस्ट हटाए जाएं, जिससे निर्बाध और भ्रष्टाचार मुक्त यातायात संभव हो।
4. **डिजिटलीकरण एवं पारदर्शिता:** RTO की सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण रूप से डिजिटल किया जाए और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए प्रभावी निगरानी प्रणाली एवं नियमित ऑडिट लागू किए जाएं।
5. **कठोर दंड:** भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए, जिससे भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों पर रोक लग सके। कर्मचारियों को केवल निलंबन देकर छुट्टी पर भेजने से कुछ नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि सिर्फ विभागीय कार्रवाई ही नहीं, बल्कि उच्च स्तरीय कार्रवाई हो। जनता के पैसे लूटने वालों को सेवा से बर्खास्त कर जेल में डाला जाए।
6. **भ्रष्टाचार उजागर करने वालों के लिए सुरक्षा:** भ्रष्टाचार की रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करने के लिए सुरक्षित और गुमनाम प्रणाली लागू की जाए तथा व्हिसलब्लोअर्स की रक्षा सुनिश्चित की जाए।
7. **ई-चालान प्रणाली को पारदर्शी बनाना:** ई-चालान प्रणाली के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) तैयार की जाए।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मेहनतकश ट्रक चालक और परिवहन संचालक इस प्रकार के शोषण का शिकार हो रहे हैं। यह प्रणालीगत भ्रष्टाचार न केवल राज्य और केंद्र सरकार की छवि को धूमिल कर रहा है, बल्कि जनता का प्रशासन में विश्वास भी कमजोर कर रहा है।

हम आपके माननीय कार्यालय से आग्रह करते हैं कि परिवहन क्षेत्र में व्याप्त इस भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए सख्त कार्रवाई करें। AIMTC सरकार के सुधारात्मक प्रयासों के साथ खड़ा है और परिवहन क्षेत्र की बेहतरी के लिए हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

हम उपरोक्त विषय में आपके हस्तक्षेप एवं मार्गदर्शन की आशा रखते हैं।

सधन्यवाद

डॉ. हरीश सभरवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष – एआईएमटीसी
मोबाइल: 9810201111

प्रतिलिपि : श्री मोहन यादव जी , माननीय मुख्य मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल, मध्य प्रदेश